

सम्पूर्ण कुंडली

नमूना उपयोगकर्ता

जन्म: 1990-01-15 10:30 · नई दिल्ली

My Jyotish AI



विषय सूची

1. मुख्य विवरण 3
2. अवकहड़ा चक्र 3
3. कुंडली चक्र 4
4. ग्रह स्थिति 4
5. षोडशवर्ग कुंडलियाँ 5
6. ग्रह मैत्री 6
7. ग्रह दृष्टि 7
8. के.पी. पद्धति — ग्रह स्वामी 7
9. लग्न फल 8
10. जीवन के प्रमुख क्षेत्र 8
11. चंद्र राशि व नक्षत्र 8
12. जन्म पंचांग फल 8
13. भावों में ग्रह 9
14. राशियों में ग्रह 10
15. भाव फल 11
16. योग 13
17. दोष 13
18. विंशोत्तरी दशा 13
19. महादशा फल 15
20. वर्तमान महादशा — प्रत्यंतर दशा 17
21. योगिनी दशा 18
22. चर दशा (जैमिनी) 19
23. साढ़े साती व ढैय्या 21
24. अष्टकवर्ग 22
25. षड्बल 23
26. लाल किताब कुंडली 23
27. उपाय 25

1 मुख्य विवरण

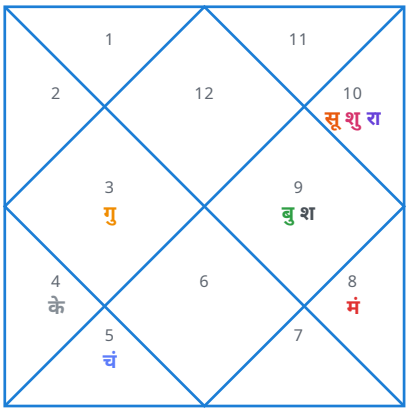
नाम **नमूना उपयोगकर्ता**	जन्म **1990-01-15 10:30**	स्थान **नई दिल्ली**
लग्न **मीन 1°25′**	चंद्र राशि **सिंह**	नक्षत्र **पूर्वा फाल्गुनी — चरण 3**
अयनांश **Lahiri 23.7179°**		
तिथि **पंचमी (कृष्ण पक्ष)**	योग **सौभाग्य**	करण **कौलव**
वार **सोमवार**		



अवकहड़ा चक्र

वर्ण **क्षत्रिय**	वश्य **वनचर**	योनि **मूषक**
गण **मनुष्य**	नाड़ी **मध्य**	तत्व **अग्नि**
नामाक्षर **टी**	राशि स्वामी **सूर्य**	नक्षत्र स्वामी **शुक्र**

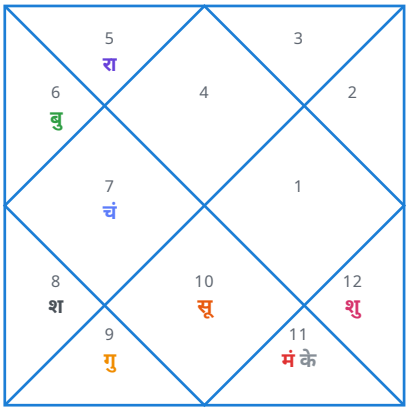
3 कुंडली चक्र



लग्न कुंडली (D1)



लग्न कुंडली (D1) — South



नवांश (D9)

4 ग्रह स्थिति



सूर्य
मकर · 1°03′
भाव 11 · सम
उत्तराषाढ़ा



चंद्र
सिंह · 20°07′
भाव 6 · सम
पूर्वा फाल्गुनी



मंगल
वृश्चिक · 25°59′
भाव 9 · स्वराशि
ज्येष्ठा



बुध ℞
धनु · 17°50′
भाव 10 · शत्रु
पूर्वाषाढ़ा



गुरु ℞
मिथुन · 9°40′
भाव 4 · अधिशत्रु
आर्द्रा



शुक्र ℞
मकर · 7°08′
भाव 11 · अधिमित्र
उत्तराषाढ़ा



शनि
धनु · 23°33′
भाव 10 · शत्रु
पूर्वाषाढ़ा



राहु
मकर · 23°59′
भाव 11 · अधिमित्र
धनिष्ठा

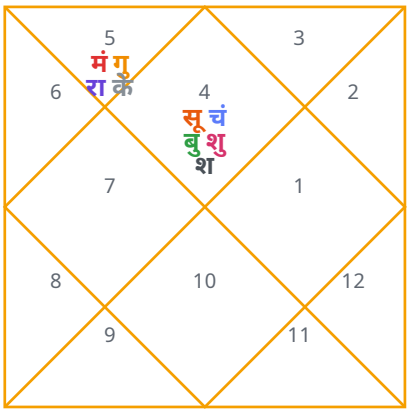


केतु
कर्क · 23°59′
भाव 5 · सम
आश्लेषा

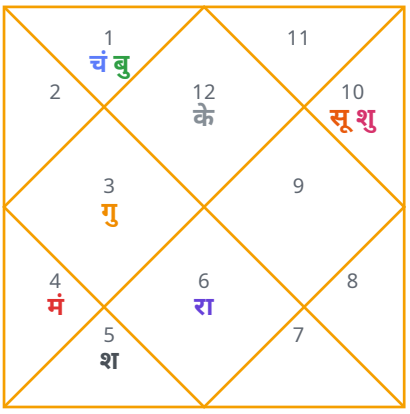
ग्रह	राशि	अंश	भाव	नक्षत्र	स्थिति	वक्री
सूर्य	मकर	1°03′	11	उत्तराषाढ़ा 2	सम	—
चंद्र	सिंह	20°07′	6	पूर्वा फाल्गुनी 3	सम	—
मंगल	वृश्चिक	25°59′	9	ज्येष्ठा 3	स्वराशि	—
बुध	धनु	17°50′	10	पूर्वाषाढ़ा 2	शत्रु	हाँ
गुरु	मिथुन	9°40′	4	आर्द्रा 1	अधिशत्रु	हाँ

ग्रह	राशि	अंश	भाव	नक्षत्र	स्थिति	वक्री
शुक्र	मकर	7°08′	11	उत्तराषाढ़ा 4	अधिमित्र	हाँ
शनि	धनु	23°33′	10	पूर्वाषाढ़ा 4	शत्रु	—
राहु	मकर	23°59′	11	धनिष्ठा 1	अधिमित्र	—
केतु	कर्क	23°59′	5	आश्लेषा 3	सम	—

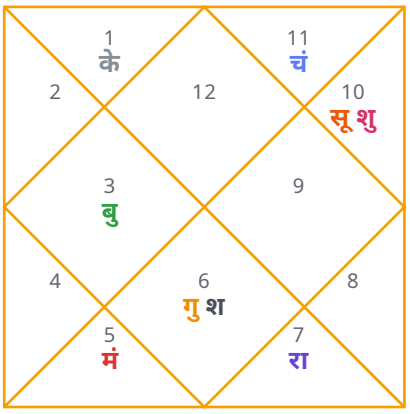
5 षोडशवर्ग कुंडलियाँ



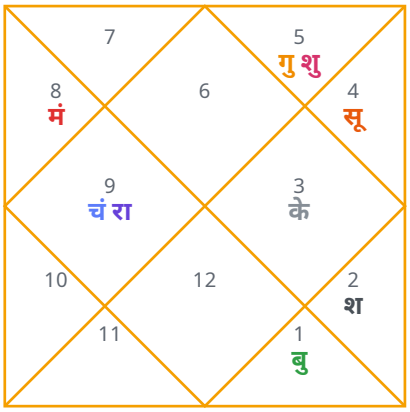
होरा (D2)
धन



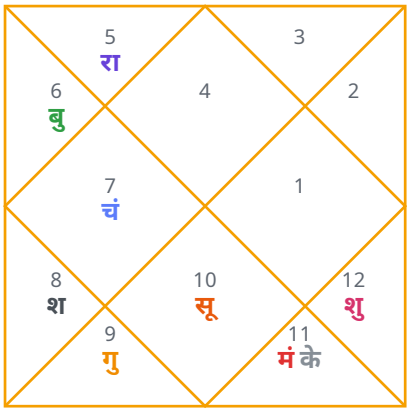
द्रेष्काण (D3)
भाई-बहन, पराक्रम



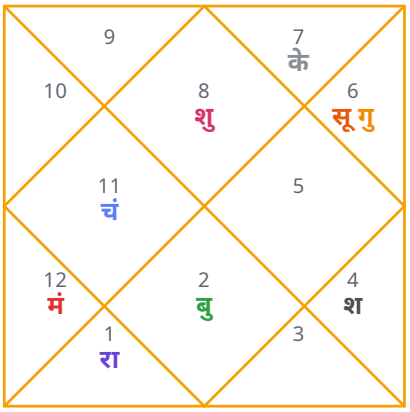
चतुर्थांश (D4)
सम्पत्ति, भाग्य



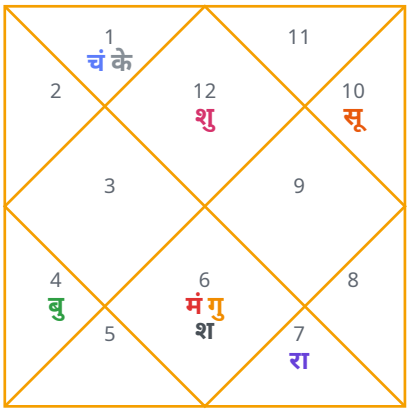
सप्तांश (D7)
संतान



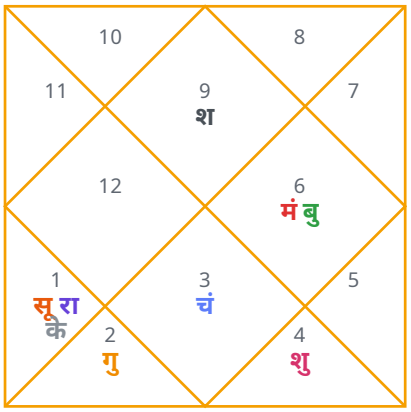
नवांश (D9)
जीवनसाथी, धर्म



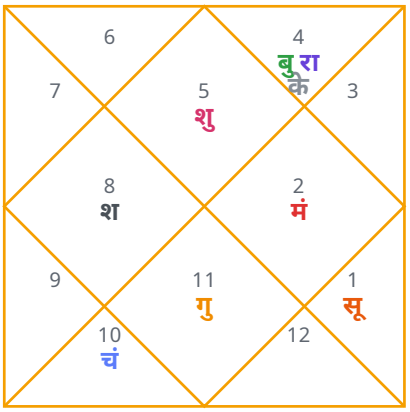
दशमांश (D10)
कर्म, करियर



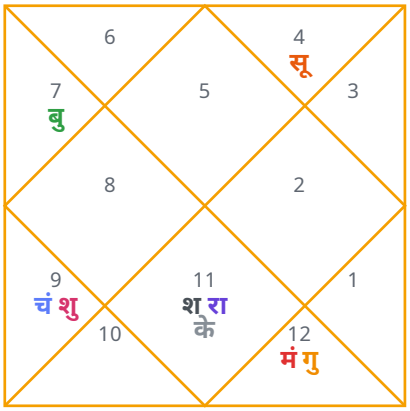
द्वादशांश (D12)
माता-पिता



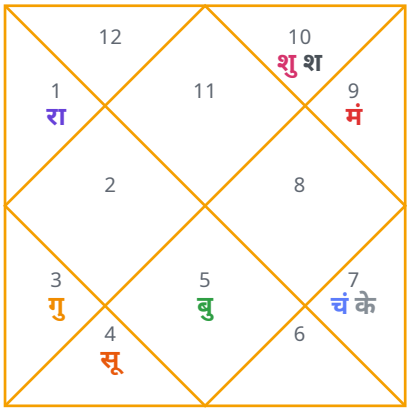
षोडशांश (D16)
वाहन, सुख



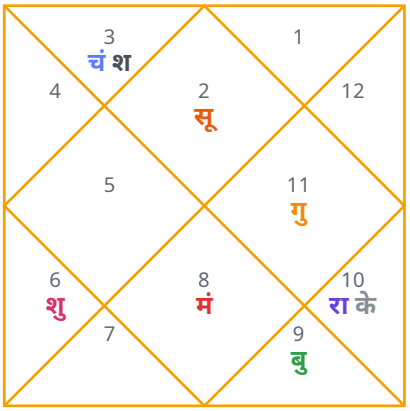
विंशांश (D20)
आध्यात्मिक जीवन



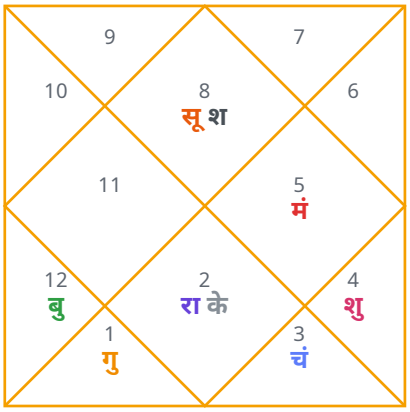
चतुर्विंशांश (D24)
शिक्षा



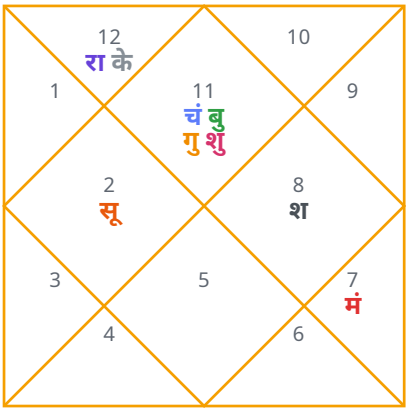
भांश (D27)
बल



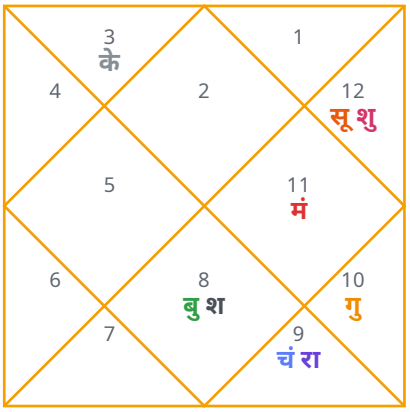
त्रिंशांश (D30)
अरिष्ट



खवेदांश (D40)
मातृ पक्ष



अक्षवेदांश (D45)
पितृ पक्ष



षष्ट्यंश (D60)
पूर्व कर्म

वर्ग कुंडलियों में ग्रहों की राशि (राशि संख्या)

ग्रह	D1	D2	D3	D4	D7	D9	D10	D12	D16	D20	D24	D27	D30	D40	D45	D60
लग्न	12	4	12	12	6	4	8	12	9	5	5	11	2	8	11	2
सूर्य	10	4	10	10	4	10	6	10	1	1	4	4	2	8	2	12
चंद्र	5	4	1	11	9	7	11	1	3	10	9	7	3	3	11	9
मंगल	8	5	4	5	8	11	12	6	6	2	12	9	8	5	7	11
बुध	9	4	1	3	1	6	2	4	6	4	7	5	9	12	11	8
गुरु	3	5	3	6	5	9	6	6	2	11	12	3	11	1	11	10
शुक्र	10	4	10	10	5	12	8	12	4	5	9	10	6	4	11	12
शनि	9	4	5	6	2	8	4	6	9	8	11	10	3	8	8	8
राहु	10	5	6	7	9	5	1	7	1	4	11	1	10	2	12	9
केतु	4	5	12	1	3	11	7	1	1	4	11	7	10	2	12	3

6 ग्रह मैत्री

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	—	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	—	सम	मित्र	सम	सम	सम
मंगल	मित्र	मित्र	—	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	मित्र	शत्रु	सम	—	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	—	शत्रु	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	—	मित्र

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	—

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	—	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
चंद्र	शत्रु	—	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	—	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	मित्र	—	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	—	शत्रु	शत्रु
शुक्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	—	मित्र
शनि	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	—

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	—	सम	अधिमित्र	मित्र	सम	अधिशत्रु	सम
चंद्र	सम	—	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	अधिमित्र	अधिमित्र	—	सम	सम	मित्र	मित्र
बुध	अधिमित्र	अधिशत्रु	मित्र	—	शत्रु	अधिमित्र	शत्रु
गुरु	सम	अधिमित्र	सम	अधिशत्रु	—	अधिशत्रु	शत्रु
शुक्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	मित्र	अधिमित्र	शत्रु	—	अधिमित्र
शनि	सम	अधिशत्रु	सम	सम	शत्रु	अधिमित्र	—

7 ग्रह दृष्टि

ग्रह	भावों पर दृष्टि	ग्रहों पर दृष्टि
सूर्य	भाव 5	केतु
चंद्र	भाव 12	—
मंगल	भाव 12, भाव 3, भाव 4	गुरु
बुध	भाव 4	गुरु
गुरु	भाव 8, भाव 10, भाव 12	बुध, शनि
शुक्र	भाव 5	केतु
शनि	भाव 12, भाव 4, भाव 7	गुरु
राहु	भाव 3, भाव 5, भाव 7	केतु
केतु	भाव 9, भाव 11, भाव 1	सूर्य, मंगल, शुक्र, राहु

8 के.पी. पद्धति — ग्रह स्वामी

ग्रह	राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र स्वामी	उप स्वामी	उप-उप स्वामी
लग्न	मीन	1°25′	गुरु	गुरु	राहु	राहु
सूर्य	मकर	1°03′	शनि	सूर्य	राहु	चंद्र
चंद्र	सिंह	20°07′	सूर्य	शुक्र	गुरु	गुरु
मंगल	वृश्चिक	25°59′	मंगल	बुध	राहु	चंद्र
बुध	धनु	17°50′	गुरु	शुक्र	मंगल	केतु
गुरु	मिथुन	9°40′	बुध	राहु	गुरु	शुक्र
शुक्र	मकर	7°08′	शनि	सूर्य	केतु	शुक्र
शनि	धनु	23°33′	गुरु	शुक्र	शनि	राहु

ग्रह	राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र स्वामी	उप स्वामी	उप-उप स्वामी
राहु	मकर	23°59′	शनि	मंगल	मंगल	शुक्र
केतु	कर्क	23°59′	चंद्र	बुध	मंगल	शुक्र

9 लग्न फल

आपका लग्न मीन है। गुरु के इस लग्न से करुणा, कल्पनाशीलता और आध्यात्मिक झुकाव प्रबल रहता है। कला, सेवा और चिंतन के क्षेत्र में आपकी प्रतिभा खिलती है; व्यावहारिक मामलों में स्पष्ट सीमाएँ तय करना लाभकारी रहता है।

10 जीवन के प्रमुख क्षेत्र

स्वास्थ्य व शरीर

मीन लग्न के स्वामी गुरु हैं; व्यक्ति कोमल स्वभाव का और संवेदनशील होता है। कालपुरुष में मीन पैरों और नींद का प्रतिनिधित्व करता है, अतः पैरों, जल-संतुलन, नींद और वज़न पर ध्यान दें। भावनात्मक तनाव शरीर को प्रभावित कर सकता है। ध्यान, पर्याप्त विश्राम और सात्त्विक भोजन लाभकारी हैं। (यह चिकित्सा सलाह नहीं है।)

करियर व कार्यक्षेत्र

मीन लग्न में दशम भाव धनु राशि का है और इसके स्वामी भी लग्नेश गुरु हैं। करियर ज्ञान, सेवा और मार्गदर्शन पर आधारित रहता है। शिक्षण, धर्म, परामर्श, चिकित्सा, कानून, वित्त, समाजसेवा या प्रकाशन अनुकूल क्षेत्र हैं। आपकी ईमानदारी और दयालुता कार्यस्थल पर सम्मान दिलाती है।

धन व सम्पत्ति

मीन लग्न में धन भाव के स्वामी मंगल और लाभ भाव के स्वामी शनि हैं। धन साहसिक प्रयास, भूमि, तकनीक और लंबी अवधि के परिश्रम से बनता है। लाभ धीरे-धीरे परंतु स्थिर रूप से बढ़ता है। भावनाओं में आकर उधार देने या निवेश करने से बचें; व्यवस्थित बचत लाभकारी है।

विवाह, परिवार व संबंध

मीन लग्न में सप्तम भाव कन्या राशि का है, जिसके स्वामी बुध हैं, और चतुर्थ भाव के स्वामी भी बुध हैं। जीवनसाथी व्यावहारिक, बुद्धिमान और व्यवस्थित स्वभाव का होता है, जो आपके कोमल स्वभाव का पूरक बनता है। संबंधों में स्पष्ट संवाद आवश्यक है। घर में अध्ययन और शांत वातावरण रहता है।

शिक्षा व बुद्धि

मीन लग्न में पंचम भाव कर्क राशि का है, जिसके स्वामी चंद्रमा हैं। बुद्धि कल्पनाशील, भावनात्मक और स्मरण-शक्ति से युक्त होती है। साहित्य, कला, संगीत, चिकित्सा, मनोविज्ञान, आतिथ्य या शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी सफलता मिल सकती है। मन शांत रखने पर आपकी पढ़ाई में निरंतरता बनी रहती है।



चंद्र राशि व नक्षत्र

आपकी चंद्र राशि सिंह है। मन गरिमामय, उदार और सम्मान का इच्छुक रहता है। रचनात्मक कार्यों और नेतृत्व की भूमिका में आत्मसंतोष मिलता है; प्रशंसा न मिलने पर निराश होने के बजाय अपने काम की गुणवत्ता पर भरोसा रखें।

आपका जन्म नक्षत्र पूर्वा फाल्गुनी है, जिसके स्वामी शुक्र और देवता भग हैं। जातक मिलनसार, कला-प्रेमी और जीवन का आनंद लेने वाले होते हैं। मनोरंजन, कला, सौंदर्य और संबंधों से जुड़े क्षेत्रों में सफलता मिलती है; विलासिता में संयम रखें।



जन्म पंचांग फल

आपका जन्म कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को हुआ है। यह तिथि बुद्धि, विद्या और दयालुता देती है। घटते चंद्रमा का यह समय अंतर्मुखता, अनुभव और परिपक्वता का माना जाता है।

आपका जन्म सोमवार को हुआ है, जिसका स्वामी चंद्रमा है। यह कोमल स्वभाव, कल्पनाशीलता और लोकप्रियता देता है।

आपका जन्म सौभाग्य योग में हुआ है। यह योग सौभाग्य, सुखी पारिवारिक जीवन और अवसरों का संकेत है।

आपका जन्म कौलव करण में हुआ है। इस करण में जन्मा व्यक्ति मिलनसार, मित्रों से प्रेम करने वाला और स्वाभिमानी माना जाता है।

13 भावों में ग्रह



सूर्य

11 भाव	मकर राशि	सम स्थिति	उत्तराषाढ़ा नक्षत्र

सूर्य आपके ग्यारहवें भाव में है। प्रभावशाली मित्रों और वरिष्ठ लोगों से लाभ मिलता है। महत्वाकांक्षाएँ पूरी करने की क्षमता अच्छी रहती है; मित्र-मंडली में उदारता बनाए रखने से सहयोग और बढ़ता है।



चंद्र

6 भाव	सिंह राशि	सम स्थिति	पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र

चंद्र आपके छठे भाव में है। सेवा-भाव अच्छा रहता है और काम में व्यस्तता बनी रहती है। मानसिक तनाव को कम करने के लिए नियमित विश्राम आवश्यक है; पाचन और दिनचर्या का विशेष ध्यान रखें।



मंगल

9 भाव	वृश्चिक राशि	स्वराशि स्थिति	ज्येष्ठा नक्षत्र

मंगल आपके नौवें भाव में है। अपने सिद्धांतों के लिए संघर्ष करने का साहस रहता है। यात्रा, उच्च शिक्षा और धर्म के लिए उत्साह मिलता है; पिता और गुरुजनों से मतभेद को विनम्रता से सुलझाएँ।



बुध

10 भाव	धनु राशि	शत्रु स्थिति	पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र

बुध आपके दसवें भाव में है। करियर में संचार, व्यापार, लेखा, आईटी और परामर्श जैसे क्षेत्र अनुकूल रहते हैं। बहुमुखी प्रतिभा से उन्नति होती है; एक साथ अनेक कार्य लेने से पहले प्राथमिकता तय करें।



गुरु

4 भाव	मिथुन राशि	अधिशत्रु स्थिति	आर्द्रा नक्षत्र

गुरु आपके चौथे भाव में है। घर में सुख, शांति और धार्मिक वातावरण रहता है। माता का स्नेह, अच्छी शिक्षा और संपत्ति-वाहन के शुभ योग बनते हैं।



शुक्र

11 भाव	मकर राशि	अधिमित्र स्थिति	उत्तराषाढ़ा नक्षत्र

शुक्र आपके ग्यारहवें भाव में है। मित्रों, कला और सामाजिक संपर्कों से आर्थिक लाभ मिलता है। सुख-सुविधा की इच्छाएँ पूरी होती हैं; मित्र-मंडली में सम्मान और स्नेह रहता है।



शनि

10 भाव	धनु राशि	शत्रु स्थिति	पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र

शनि आपके दसवें भाव में है। करियर में धीमी पर स्थायी उन्नति और ज़िम्मेदारी वाले पद मिलते हैं। प्रशासन, उद्योग, निर्माण और जनसेवा अनुकूल क्षेत्र हैं; निष्ठा से किया गया कार्य दूर तक फल देता है।

राहु

11	मकर	अधिमित्र	धनिष्ठा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

राहु आपके ग्यारहवें भाव में है। यह लाभ के लिए शुभ स्थान माना जाता है; बड़े नेटवर्क और नए स्रोतों से आय के योग बनते हैं। महत्वाकांक्षाएँ पूरी होती हैं; मित्रों का चयन विवेक से करें।

केतु

5	कर्क	सम	आश्लेषा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

केतु आपके पांचवें भाव में है। अंतर्ज्ञान, मंत्र और आध्यात्मिक विषयों में गहरी समझ रहती है। पढ़ाई में एकाग्रता के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है; संतान से जुड़े विषयों में धैर्य रखें।

14 राशियों में ग्रह

सूर्य

11	मकर	सम	उत्तराषाढ़ा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

सूर्य मकर राशि में शनि की राशि में होता है। व्यक्ति मेहनती, अनुशासित और लक्ष्य के प्रति गंभीर होता है। सफलता धीरे-धीरे परंतु स्थायी रूप से मिलती है। प्रशासन, निर्माण, उद्योग, सरकारी सेवा या संगठनात्मक कार्यों में आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं। जीवन के आरंभ में संघर्ष हो सकता है, किंतु धैर्य और निरंतर प्रयास से उच्च पद प्राप्त होता है। परिवार और पिता के साथ संवाद बनाए रखना लाभकारी है।

चंद्र

6	सिंह	सम	पूर्वा फाल्गुनी
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

चंद्रमा सिंह राशि में होने से मन स्वाभिमानी, उदार और प्रशंसा पाने का इच्छुक रहता है। आप भावनाओं को खुलकर व्यक्त करते हैं और मित्रों व परिवार के प्रति वफ़ादार रहते हैं। नेतृत्व, कला, मंच, शिक्षा या प्रबंधन में आपका व्यक्तित्व निखरता है। आलोचना से मन जल्दी आहत हो सकता है; दूसरों की बात धैर्य से सुनना और अहं को संतुलित रखना संबंधों को मज़बूत बनाता है।

मंगल

9	वृश्चिक	स्वराशि	ज्येष्ठा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

मंगल वृश्चिक राशि में अपनी राशि में बलवान होता है। व्यक्ति दृढ़ निश्चयी, गहन, साहसी और रहस्य सुलझाने में रुचि रखने वाला होता है। शोध, जाँच, सर्जरी, सुरक्षा, खनन, बीमा या गूढ़ विद्या में सफलता के योग बनते हैं। आप संकट में भी शांत रहकर रास्ता निकालते हैं। बदले की भावना और कटुता से दूर रहें; अपनी गहरी ऊर्जा को रचनात्मक लक्ष्यों में लगाने से बड़ी उपलब्धियाँ मिलती हैं।

बुध

10	धनु	शत्रु	पूर्वाषाढ़ा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

बुध धनु राशि में गुरु की राशि में होता है। व्यक्ति दार्शनिक, स्पष्टवादी और व्यापक दृष्टि वाला होता है। उच्च शिक्षा, शिक्षण, कानून, धर्म, प्रकाशन या विदेश से जुड़े कार्यों में रुचि रहती है। आप बड़े विचारों पर ध्यान देते हैं, परंतु छोटी-छोटी बारीकियाँ छूट सकती हैं। वादे सोच-समझकर करें और विवरणों की जाँच की आदत डालें, तो आपकी बुद्धि बहुत यश दिलाती है।



गुरु

4	मिथुन	अधिशत्रु	आर्द्रा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

गुरु मिथुन राशि में बुध की राशि में होता है। व्यक्ति बहुमुखी ज्ञान वाला, अच्छा वक्ता और शिक्षण-लेखन में कुशल होता है। पत्रकारिता, प्रकाशन, शिक्षा, व्यापार या परामर्श में अवसर मिलते हैं। आप तथ्यों और विचारों को जोड़कर समझाते हैं। अधिक विषयों में बँटने से गहराई कम हो सकती है; किसी एक विद्या में विशेषज्ञता बनाने से प्रतिष्ठा बढ़ती है।



शुक्र

11	मकर	अधिमित्र	उत्तराषाढ़ा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

शुक्र मकर राशि में शनि की मित्र राशि में होता है। व्यक्ति व्यावहारिक, विश्वसनीय और संबंधों को गंभीरता से निभाने वाला होता है। कला, डिज़ाइन, वास्तुकला, वित्त, प्रबंधन या विलासिता से जुड़े व्यवसाय में धीरे-धीरे स्थायी सफलता मिलती है। आप भावनाएँ खुलकर नहीं दिखाते, पर कर्तव्य से प्रेम जताते हैं। साथी के साथ समय और कोमल शब्द संबंधों को और मज़बूत करते हैं।



शनि

10	धनु	शत्रु	पूर्वाषाढ़ा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

शनि धनु राशि में गुरु की राशि में होता है। व्यक्ति सिद्धांतवादी, धार्मिक, गंभीर विचारक और ज्ञान को व्यवहार में उतारने वाला होता है। शिक्षा, कानून, धर्म, दर्शन, प्रशासन या परामर्श में स्थायी प्रतिष्ठा मिलती है। उच्च शिक्षा या भाग्य में देरी हो सकती है, पर अनुभव से गहरी समझ आती है। कट्टरता से बचें और गुरुजनों का सम्मान करें।



राहु

11	मकर	अधिमित्र	धनिष्ठा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

राहु मकर राशि में होने से व्यक्ति महत्वाकांक्षी, व्यावहारिक और ऊँचे पद तक पहुँचने के लिए निरंतर प्रयास करने वाला होता है। प्रशासन, राजनीति, बड़े उद्योग, निर्माण या तकनीक में तेज़ प्रगति के अवसर मिल सकते हैं। सफलता के लिए नियमों से समझौता करने का प्रलोभन हो सकता है; नैतिकता और धैर्य बनाए रखने से उपलब्धियाँ स्थायी रहती हैं।



केतु

5	कर्क	सम	आश्लेषा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

केतु कर्क राशि में होने से घर-परिवार और भावनात्मक सुरक्षा को लेकर मन में अलगाव या बेचैनी का भाव रह सकता है। व्यक्ति आत्मनिर्भर बनता है और भीतर से आध्यात्मिक होता है। जन्मस्थान से दूर रहकर शांति मिल सकती है। माता की सेवा, ध्यान और घर में सात्त्विक वातावरण रखने से मन स्थिर और प्रसन्न रहता है।

15 भाव फल

भाव 1

मीन	गुरु	भाव 4
राशि	भावेश	भावेश स्थित

पहले भाव (लग्न) का स्वामी चौथे भाव में है। घर, माता और सुख-सुविधाओं से गहरा जुड़ाव रहता है। भूमि-भवन और वाहन के योग बनते हैं; घर का शांत वातावरण आपकी प्रगति का आधार बनता है।

भाव 2

मेष	मंगल	भाव 9
राशि	भावेश	भावेश स्थित

दूसरे भाव (धन) का स्वामी नौवें भाव में है। भाग्य, पिता और धर्म-कर्म से धन का सहयोग मिलता है। सद्कार्यों और ज्ञान से समृद्धि बढ़ती है।

भाव 3

वृषभ राशि | शुक्र भावेश | भाव 11 भावेश स्थित

तीसरे भाव (पराक्रम) का स्वामी ग्यारहवें भाव में है। भाई-बहनों और मित्रों के सहयोग से लाभ मिलता है। आपकी मेहनत समय पर फल देती है।

भाव 4

मिथुन राशि | बुध भावेश | भाव 10 भावेश स्थित

चौथे भाव (सुख) का स्वामी दसवें भाव में है। करियर और प्रतिष्ठा से सुख-सुविधाएँ बढ़ती हैं। संपत्ति, शिक्षा या जनसेवा से जुड़े कार्य अनुकूल रहते हैं।

भाव 5

कर्क राशि | चंद्र भावेश | भाव 6 भावेश स्थित

पांचवें भाव (बुद्धि) का स्वामी छठे भाव में है। प्रतियोगी परीक्षाओं और विश्लेषण वाले कार्यों में बुद्धि लगती है। संतान से जुड़े विषयों में धैर्य और ध्यान रखें।

भाव 6

सिंह राशि | सूर्य भावेश | भाव 11 भावेश स्थित

छठे भाव (शत्रु-रोग) का स्वामी ग्यारहवें भाव में है। प्रतिस्पर्धा और सेवा से लाभ मिलता है। मित्रों के चयन में सावधानी रखें; परिश्रम से इच्छाएँ पूरी होती हैं।

भाव 7

कन्या राशि | बुध भावेश | भाव 10 भावेश स्थित

सातवें भाव (विवाह) का स्वामी दसवें भाव में है। साझेदारी और व्यापार से करियर में उन्नति होती है। जीवनसाथी करियर में सहयोगी या स्वयं कार्यशील हो सकता है।

भाव 8

तुला राशि | शुक्र भावेश | भाव 11 भावेश स्थित

आठवें भाव (आयु-रहस्य) का स्वामी ग्यारहवें भाव में है। अप्रत्याशित स्रोतों, विरासत या संयुक्त संसाधनों से लाभ संभव है। मित्रों के चयन में विवेक रखें।

भाव 9

वृश्चिक राशि | मंगल भावेश | भाव 9 भावेश स्थित

नौवें भाव (भाग्य) का स्वामी नौवें भाव में अपने स्थान पर है। भाग्य अत्यंत प्रबल, धर्म में दृढ़ आस्था और पिता से सहयोग के योग बनते हैं। जीवन में सम्मान और समृद्धि सहज मिलती है।

भाव 10

धनु राशि | गुरु भावेश | भाव 4 भावेश स्थित

दसवें भाव (कर्म) का स्वामी चौथे भाव में है। भूमि, भवन, शिक्षा या जनकल्याण से जुड़े कार्य अनुकूल रहते हैं। करियर से घर-परिवार को सुख मिलता है।

भाव 11

मकर राशि | शनि भावेश | भाव 10 भावेश स्थित

ग्यारहवें भाव (लाभ) का स्वामी दसवें भाव में है। करियर से अच्छा लाभ और प्रतिष्ठा मिलती है। वरिष्ठों और प्रभावशाली लोगों का सहयोग रहता है।

भाव 12

कुंभ
राशि

शनि
भावेश

भाव 10
भावेश स्थित

बारहवें भाव (व्यय) का स्वामी दसवें भाव में है। विदेश या दूर स्थानों से जुड़े कार्य करियर में अवसर देते हैं। कार्य के लिए यात्राएँ और खर्च अधिक रह सकते हैं।

16 योग

योग	स्थिति
KEMADRUMA	भंग: kendra from Lagna: Mercury,Jupiter,Saturn; kendra from Moon: Mars
VASI	उपस्थित
KENDRA TRIKONA RAJA	उपस्थित
MAHA PARIVARTANA	उपस्थित
VASUMATI	उपस्थित

आपकी कुंडली में वाशि योग है — सूर्य से बारहवें भाव में ग्रह स्थित है। यह योग कुशलता, दानशीलता, विद्वता और यश देता है। आप अपने ज्ञान और व्यवहार से समाज में लोकप्रिय होते हैं।

आपकी कुंडली में केंद्र-त्रिकोण राजयोग है — केंद्र और त्रिकोण भावों के स्वामियों में युति, परस्पर दृष्टि या राशि-परिवर्तन का संबंध है। यह पराशरी राजयोग पद, प्रतिष्ठा, समृद्धि और सफलता देता है, विशेषकर संबंधित ग्रहों की दशा-अंतर्दशा में।

आपकी कुंडली में महा परिवर्तन योग है — शुभ भावों के स्वामी एक-दूसरे की राशि में स्थित हैं। यह राशि-परिवर्तन दोनों भावों के फल को एक-दूसरे से जोड़कर समृद्धि, पद और सुख के योग बनाता है।

आपकी कुंडली में वसुमती योग है — शुभ ग्रह उपचय भावों में स्थित हैं। यह योग समय के साथ बढ़ने वाली समृद्धि देता है; परिश्रम और अवसरों का सही उपयोग धन-संपदा को निरंतर बढ़ाता है।

17 दोष

दोष	स्थिति
PITRA	उपस्थित
GRAHAN	उपस्थित

आपकी कुंडली में पितृ दोष के संकेत हैं — नवम भाव या सूर्य पर राहु-केतु का प्रभाव है। परंपरा में इसे पूर्वजों के प्रति कर्तव्यों से जोड़ा जाता है; श्राद्ध-तर्पण, बड़ों की सेवा, दान और कृतज्ञता का भाव इस प्रभाव को शांत करने के उपाय माने जाते हैं।

आपकी कुंडली में ग्रहण योग है — सूर्य या चंद्रमा राहु-केतु के साथ है। यह आत्मविश्वास या मन की स्थिरता पर कभी-कभी बादल जैसा प्रभाव बताता है। सूर्य-चंद्र से जुड़े उपाय, ध्यान और नियमित दिनचर्या आंतरिक स्पष्टता बढ़ाते हैं।

18 विंशोत्तरी दशा

शुक्र	07 नव॰ 1979 — 07 नव॰ 1999	
सूर्य	07 नव॰ 1999 — 06 नव॰ 2005	
चंद्र	06 नव॰ 2005 — 07 नव॰ 2015	
मंगल	07 नव॰ 2015 — 07 नव॰ 2022	
राहु	07 नव॰ 2022 — 06 नव॰ 2040	वर्तमान
गुरु: 20 जुल॰ 2025 – 13 दिस॰ 2027		
गुरु	06 नव॰ 2040 — 06 नव॰ 2056	

शनि	06 नव॰ 2056 — 07 नव॰ 2075
बुध	07 नव॰ 2075 — 07 नव॰ 2092
केतु	07 नव॰ 2092 — 07 नव॰ 2099

शुक्र महादशा (1979–1999)

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
शुक्र	07-11-1979	08-03-1983
सूर्य	08-03-1983	07-03-1984
चंद्र	07-03-1984	06-11-1985
मंगल	06-11-1985	06-01-1987
राहु	06-01-1987	06-01-1990
गुरु	06-01-1990	06-09-1992
शनि	06-09-1992	07-11-1995
बुध	07-11-1995	07-09-1998
केतु	07-09-1998	07-11-1999

सूर्य महादशा (1999–2005)

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
सूर्य	07-11-1999	24-02-2000
चंद्र	24-02-2000	25-08-2000
मंगल	25-08-2000	31-12-2000
राहु	31-12-2000	24-11-2001
गुरु	24-11-2001	13-09-2002
शनि	13-09-2002	26-08-2003
बुध	26-08-2003	01-07-2004
केतु	01-07-2004	06-11-2004
शुक्र	06-11-2004	06-11-2005

चंद्र महादशा (2005–2015)

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
चंद्र	06-11-2005	07-09-2006
मंगल	07-09-2006	08-04-2007
राहु	08-04-2007	07-10-2008
गुरु	07-10-2008	06-02-2010
शनि	06-02-2010	07-09-2011
बुध	07-09-2011	05-02-2013
केतु	05-02-2013	06-09-2013
शुक्र	06-09-2013	08-05-2015
सूर्य	08-05-2015	07-11-2015

मंगल महादशा (2015–2022)

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
मंगल	07-11-2015	04-04-2016
राहु	04-04-2016	22-04-2017
गुरु	22-04-2017	29-03-2018
शनि	29-03-2018	08-05-2019
बुध	08-05-2019	04-05-2020
केतु	04-05-2020	01-10-2020
शुक्र	01-10-2020	01-12-2021
सूर्य	01-12-2021	08-04-2022
चंद्र	08-04-2022	07-11-2022

राहु महादशा (2022–2040)

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
राहु	07-11-2022	20-07-2025
गुरु	**20-07-2025**	**13-12-2027**
शनि	13-12-2027	19-10-2030
बुध	19-10-2030	08-05-2033
केतु	08-05-2033	26-05-2034
शुक्र	26-05-2034	26-05-2037
सूर्य	26-05-2037	20-04-2038
चंद्र	20-04-2038	20-10-2039
मंगल	20-10-2039	06-11-2040

गुरु महादशा (2040–2056)

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
गुरु	06-11-2040	25-12-2042
शनि	25-12-2042	08-07-2045
बुध	08-07-2045	14-10-2047
केतु	14-10-2047	19-09-2048
शुक्र	19-09-2048	21-05-2051
सूर्य	21-05-2051	08-03-2052
चंद्र	08-03-2052	08-07-2053
मंगल	08-07-2053	14-06-2054
राहु	14-06-2054	06-11-2056

शनि महादशा (2056–2075)

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
शनि	06-11-2056	10-11-2059
बुध	10-11-2059	20-07-2062
केतु	20-07-2062	29-08-2063
शुक्र	29-08-2063	29-10-2066
सूर्य	29-10-2066	11-10-2067
चंद्र	11-10-2067	11-05-2069
मंगल	11-05-2069	20-06-2070
राहु	20-06-2070	26-04-2073
गुरु	26-04-2073	07-11-2075

बुध महादशा (2075–2092)

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
बुध	07-11-2075	05-04-2078
केतु	05-04-2078	02-04-2079
शुक्र	02-04-2079	31-01-2082
सूर्य	31-01-2082	07-12-2082
चंद्र	07-12-2082	08-05-2084
मंगल	08-05-2084	05-05-2085
राहु	05-05-2085	22-11-2087
गुरु	22-11-2087	27-02-2090
शनि	27-02-2090	07-11-2092

केतु महादशा (2092–2099)

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
केतु	07-11-2092	05-04-2093
शुक्र	05-04-2093	05-06-2094
सूर्य	05-06-2094	11-10-2094
चंद्र	11-10-2094	12-05-2095
मंगल	12-05-2095	08-10-2095
राहु	08-10-2095	25-10-2096
गुरु	25-10-2096	01-10-2097
शनि	01-10-2097	10-11-2098
बुध	10-11-2098	07-11-2099

19 महादशा फल

शुक्र महादशा (1979 – 1999)

11	मकर	अधिमित्र	उत्तराषाढ़ा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

शुक्र की महादशा में, शुक्र ग्यारहवें भाव में होने से आय, लाभ, सुख-सुविधाएँ और इच्छा-पूर्ति के बहुत अच्छे योग बनते हैं। कला, मनोरंजन, व्यापार या महिलाओं से जुड़े कार्यों से लाभ मिलता है। सामाजिक दायरा और मित्रता बढ़ती है। यह अवधि वैभव और आर्थिक समृद्धि के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है।

सूर्य महादशा (1999 – 2005)

11	मकर	सम	उत्तराषाढ़ा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

सूर्य की महादशा में, सूर्य ग्यारहवें भाव में होने से आय, लाभ और इच्छा-पूर्ति के अच्छे योग बनते हैं। प्रभावशाली मित्रों, सरकारी संपर्कों या बड़े भाई-बहनों से सहायता मिलती है। सामाजिक दायरा बढ़ता है और लक्ष्य पूरे होते हैं। लाभ का एक भाग दान और परिवार पर खर्च करें; यह अवधि आर्थिक उन्नति के लिए शुभ है।

चंद्र महादशा (2005 – 2015)

6	सिंह	सम	पूर्वा फाल्गुनी
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

चंद्रमा की महादशा में, चंद्रमा छठे भाव में होने से कार्यस्थल पर ज़िम्मेदारियाँ और प्रतिस्पर्धा बढ़ती है। सेवा, चिकित्सा, देखभाल या जनसेवा के कार्यों में अच्छा प्रदर्शन होता है। मानसिक तनाव और भावनात्मक थकान से बचने के लिए नियमित दिनचर्या रखें। विवादों को शांति से सुलझाएँ और खान-पान पर ध्यान दें।

मंगल महादशा (2015 – 2022)

9	वृश्चिक	स्वराशि	ज्येष्ठा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

मंगल की महादशा में, मंगल नौवें भाव में होने से भाग्य के लिए साहसिक प्रयास, यात्राएँ और धर्म-कार्यों में सक्रियता रहती है। भूमि या भाई-बहनों के माध्यम से भाग्य को सहारा मिल सकता है। पिता या गुरुजनों से वैचारिक मतभेद संभव हैं; विनम्रता रखें। उच्च शिक्षा और लंबी यात्राओं के लिए यह अवधि अनुकूल हो सकती है।

राहु महादशा (2022 – 2040)

11	मकर	अधिमित्र	धनिष्ठा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

राहु की महादशा में, राहु ग्यारहवें भाव में होने से आय, लाभ और इच्छा-पूर्ति के बहुत प्रबल योग बनते हैं। तकनीक, नेटवर्क, विदेशी संपर्क या बड़े समूहों से असाधारण लाभ मिल सकता है। सामाजिक दायरा तेज़ी से बढ़ता है। लाभ के लोभ में गलत रास्ते से बचें; यह राहु की सबसे शुभ स्थितियों में से एक है।

गुरु महादशा (2040 – 2056)

4	मिथुन	अधिशत्रु	आर्द्रा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

गुरु की महादशा में, गुरु चौथे भाव में होने से घर, वाहन, संपत्ति और मानसिक सुख के लिए अत्यंत शुभ समय होता है। नया घर, उच्च शिक्षा या माता का आशीर्वाद मिलने के योग बनते हैं। परिवार में शांति और समृद्धि रहती है। घर में धार्मिक वातावरण और बड़ों की सेवा इस अवधि के सुख को और बढ़ाती है।

शनि महादशा (2056 – 2075)

10	धनु	शत्रु	पूर्वाषाढ़ा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

शनि की महादशा में, शनि दसवें भाव में होने से करियर में परिश्रम, अनुशासन और धैर्य से ऊँचा पद मिलने के योग बनते हैं। प्रशासन, उद्योग, निर्माण, सरकारी सेवा या बड़े संगठनों में स्थायी सफलता मिलती है। कार्य का दबाव अधिक रहता है। ईमानदारी और निरंतरता बनाए रखें; यह अवधि करियर का मज़बूत आधार बनाती है।

बुध महादशा (2075 – 2092)

10	धनु	शत्रु	पूर्वाषाढ़ा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

बुध की महादशा में, बुध दसवें भाव में होने से करियर में बुद्धि, संचार और प्रबंधन कौशल से प्रगति होती है। व्यापार, लेखा, आईटी, मीडिया, शिक्षा या परामर्श में पदोन्नति और प्रतिष्ठा के योग बनते हैं। कई ज़िम्मेदारियाँ एक साथ मिल सकती हैं। प्राथमिकताएँ तय करें और समय-प्रबंधन रखें; यह अवधि करियर के लिए बहुत शुभ है।

केतु महादशा (2092 – 2099)

5	कर्क	सम	आश्लेषा
भाव	राशि	स्थिति	नक्षत्र

केतु की महादशा में, केतु पाँचवें भाव में होने से अंतर्ज्ञान, गूढ़ विद्या, ज्योतिष, मंत्र या शोध में रुचि बढ़ती है। औपचारिक शिक्षा में ध्यान भटक सकता है, इसलिए अनुशासन रखें। संतान से जुड़े मामलों में धैर्य आवश्यक है। सट्टे से बचें; आध्यात्मिक साधना इस अवधि में विशेष फल देती है।

20 वर्तमान महादशा — प्रत्यंतर दशा

राहु – राहु

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
राहु	07-11-2022	04-04-2023
गुरु	04-04-2023	13-08-2023
शनि	13-08-2023	16-01-2024
बुध	16-01-2024	04-06-2024
केतु	04-06-2024	31-07-2024
शुक्र	31-07-2024	12-01-2025
सूर्य	12-01-2025	02-03-2025
चंद्र	02-03-2025	23-05-2025
मंगल	23-05-2025	20-07-2025

राहु – गुरु

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
गुरु	20-07-2025	14-11-2025
शनि	14-11-2025	01-04-2026
बुध	01-04-2026	04-08-2026
केतु	04-08-2026	24-09-2026
शुक्र	**24-09-2026**	**17-02-2027**
सूर्य	17-02-2027	02-04-2027
चंद्र	02-04-2027	14-06-2027
मंगल	14-06-2027	04-08-2027
राहु	04-08-2027	13-12-2027

राहु – शनि

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
शनि	13-12-2027	26-05-2028
बुध	26-05-2028	21-10-2028
केतु	21-10-2028	20-12-2028
शुक्र	20-12-2028	12-06-2029
सूर्य	12-06-2029	03-08-2029
चंद्र	03-08-2029	29-10-2029
मंगल	29-10-2029	28-12-2029
राहु	28-12-2029	03-06-2030
गुरु	03-06-2030	19-10-2030

राहु – बुध

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
बुध	19-10-2030	28-02-2031
केतु	28-02-2031	24-04-2031
शुक्र	24-04-2031	26-09-2031
सूर्य	26-09-2031	11-11-2031
चंद्र	11-11-2031	28-01-2032
मंगल	28-01-2032	22-03-2032
राहु	22-03-2032	09-08-2032
गुरु	09-08-2032	11-12-2032
शनि	11-12-2032	08-05-2033

राहु – केतु

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
केतु	08-05-2033	30-05-2033
शुक्र	30-05-2033	02-08-2033
सूर्य	02-08-2033	21-08-2033
चंद्र	21-08-2033	22-09-2033
मंगल	22-09-2033	15-10-2033
राहु	15-10-2033	11-12-2033
गुरु	11-12-2033	31-01-2034
शनि	31-01-2034	02-04-2034
बुध	02-04-2034	26-05-2034

राहु – शुक्र

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
शुक्र	26-05-2034	25-11-2034
सूर्य	25-11-2034	19-01-2035
चंद्र	19-01-2035	20-04-2035
मंगल	20-04-2035	23-06-2035
राहु	23-06-2035	04-12-2035
गुरु	04-12-2035	28-04-2036
शनि	28-04-2036	19-10-2036
बुध	19-10-2036	23-03-2037
केतु	23-03-2037	26-05-2037

राहु – सूर्य

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
सूर्य	26-05-2037	12-06-2037
चंद्र	12-06-2037	09-07-2037
मंगल	09-07-2037	28-07-2037
राहु	28-07-2037	15-09-2037
गुरु	15-09-2037	29-10-2037
शनि	29-10-2037	20-12-2037
बुध	20-12-2037	05-02-2038
केतु	05-02-2038	24-02-2038
शुक्र	24-02-2038	20-04-2038

राहु – चंद्र

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
चंद्र	20-04-2038	04-06-2038
मंगल	04-06-2038	06-07-2038
राहु	06-07-2038	27-09-2038
गुरु	27-09-2038	09-12-2038
शनि	09-12-2038	05-03-2039
बुध	05-03-2039	22-05-2039
केतु	22-05-2039	23-06-2039
शुक्र	23-06-2039	22-09-2039
सूर्य	22-09-2039	20-10-2039

राहु – मंगल

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
मंगल	20-10-2039	11-11-2039
राहु	11-11-2039	08-01-2040
गुरु	08-01-2040	28-02-2040
शनि	28-02-2040	28-04-2040
बुध	28-04-2040	22-06-2040
केतु	22-06-2040	14-07-2040
शुक्र	14-07-2040	16-09-2040
सूर्य	16-09-2040	05-10-2040
चंद्र	05-10-2040	06-11-2040

21 योगिनी दशा

Ulka (शनि) 1986–1992

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Ulka	25-12-1986	25-12-1987
Siddha	25-12-1987	24-02-1989
Sankata	24-02-1989	26-06-1990
Mangala	26-06-1990	26-08-1990
Pingala	26-08-1990	25-12-1990
Dhanya	25-12-1990	26-06-1991
Bhramari	26-06-1991	24-02-1992
Bhadrika	24-02-1992	25-12-1992

Siddha (शुक्र) 1992–1999

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Siddha	25-12-1992	06-05-1994
Sankata	06-05-1994	25-11-1995
Mangala	25-11-1995	04-02-1996
Pingala	04-02-1996	25-06-1996
Dhanya	25-06-1996	24-01-1997
Bhramari	24-01-1997	04-11-1997
Bhadrika	04-11-1997	25-10-1998
Ulka	25-10-1998	26-12-1999

Sankata (राहु) 1999–2007

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Sankata	26-12-1999	05-10-2001
Mangala	05-10-2001	25-12-2001
Pingala	25-12-2001	05-06-2002
Dhanya	05-06-2002	04-02-2003
Bhramari	04-02-2003	26-12-2003
Bhadrika	26-12-2003	03-02-2005
Ulka	03-02-2005	05-06-2006
Siddha	05-06-2006	26-12-2007

Mangala (चंद्र) 2007–2008

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Mangala	26-12-2007	05-01-2008
Pingala	05-01-2008	25-01-2008
Dhanya	25-01-2008	24-02-2008
Bhramari	24-02-2008	05-04-2008
Bhadrika	05-04-2008	26-05-2008
Ulka	26-05-2008	26-07-2008
Siddha	26-07-2008	05-10-2008
Sankata	05-10-2008	25-12-2008

Pingala (सूर्य) 2008–2010

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Pingala	25-12-2008	03-02-2009
Dhanya	03-02-2009	05-04-2009
Bhramari	05-04-2009	25-06-2009
Bhadrika	25-06-2009	05-10-2009
Ulka	05-10-2009	04-02-2010
Siddha	04-02-2010	26-06-2010
Sankata	26-06-2010	05-12-2010
Mangala	05-12-2010	25-12-2010

Dhanya (गुरु) 2010–2013

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Dhanya	25-12-2010	27-03-2011
Bhramari	27-03-2011	26-07-2011
Bhadrika	26-07-2011	26-12-2011
Ulka	26-12-2011	25-06-2012
Siddha	25-06-2012	24-01-2013
Sankata	24-01-2013	25-09-2013
Mangala	25-09-2013	25-10-2013
Pingala	25-10-2013	25-12-2013

Bhramari (मंगल) 2013–2017

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Bhramari	25-12-2013	05-06-2014
Bhadrika	05-06-2014	25-12-2014
Ulka	25-12-2014	26-08-2015
Siddha	26-08-2015	05-06-2016
Sankata	05-06-2016	26-04-2017
Mangala	26-04-2017	05-06-2017
Pingala	05-06-2017	25-08-2017
Dhanya	25-08-2017	25-12-2017

Bhadrika (बुध) 2017–2022

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Bhadrika	25-12-2017	05-09-2018
Ulka	05-09-2018	06-07-2019
Siddha	06-07-2019	25-06-2020
Sankata	25-06-2020	05-08-2021
Mangala	05-08-2021	25-09-2021
Pingala	25-09-2021	04-01-2022
Dhanya	04-01-2022	06-06-2022
Bhramari	06-06-2022	25-12-2022

Ulka (शनि) 2022–2028

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Ulka	25-12-2022	26-12-2023
Siddha	26-12-2023	24-02-2025
Sankata	24-02-2025	26-06-2026
Mangala	26-06-2026	26-08-2026
Pingala	**26-08-2026**	**25-12-2026**
Dhanya	25-12-2026	26-06-2027
Bhramari	26-06-2027	25-02-2028
Bhadrika	25-02-2028	25-12-2028

Siddha (शुक्र) 2028–2035

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Siddha	25-12-2028	06-05-2030
Sankata	06-05-2030	25-11-2031
Mangala	25-11-2031	04-02-2032
Pingala	04-02-2032	25-06-2032
Dhanya	25-06-2032	24-01-2033
Bhramari	24-01-2033	05-11-2033
Bhadrika	05-11-2033	26-10-2034
Ulka	26-10-2034	26-12-2035

Sankata (राहु) 2035–2043

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Sankata	26-12-2035	05-10-2037
Mangala	05-10-2037	25-12-2037
Pingala	25-12-2037	06-06-2038
Dhanya	06-06-2038	04-02-2039
Bhramari	04-02-2039	26-12-2039
Bhadrika	26-12-2039	04-02-2041
Ulka	04-02-2041	06-06-2042
Siddha	06-06-2042	26-12-2043

Mangala (चंद्र) 2043–2044

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Mangala	26-12-2043	05-01-2044
Pingala	05-01-2044	25-01-2044
Dhanya	25-01-2044	25-02-2044
Bhramari	25-02-2044	05-04-2044
Bhadrika	05-04-2044	26-05-2044
Ulka	26-05-2044	26-07-2044
Siddha	26-07-2044	05-10-2044
Sankata	05-10-2044	25-12-2044

Pingala (सूर्य) 2044–2046

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति

Dhanya (गुरु) 2046–2049

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति

Bhramari (मंगल) 2049–2053

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Pingala	25-12-2044	04-02-2045
Dhanya	04-02-2045	06-04-2045
Bhramari	06-04-2045	26-06-2045
Bhadrika	26-06-2045	05-10-2045
Ulka	05-10-2045	04-02-2046
Siddha	04-02-2046	26-06-2046
Sankata	26-06-2046	05-12-2046
Mangala	05-12-2046	26-12-2046

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Dhanya	26-12-2046	27-03-2047
Bhramari	27-03-2047	27-07-2047
Bhadrika	27-07-2047	26-12-2047
Ulka	26-12-2047	25-06-2048
Siddha	25-06-2048	25-01-2049
Sankata	25-01-2049	25-09-2049
Mangala	25-09-2049	26-10-2049
Pingala	26-10-2049	25-12-2049

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Bhramari	25-12-2049	06-06-2050
Bhadrika	06-06-2050	26-12-2050
Ulka	26-12-2050	26-08-2051
Siddha	26-08-2051	05-06-2052
Sankata	05-06-2052	26-04-2053
Mangala	26-04-2053	05-06-2053
Pingala	05-06-2053	26-08-2053
Dhanya	26-08-2053	25-12-2053

Bhadrika (बुध) 2053–2058

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Bhadrika	25-12-2053	05-09-2054
Ulka	05-09-2054	06-07-2055
Siddha	06-07-2055	26-06-2056
Sankata	26-06-2056	05-08-2057
Mangala	05-08-2057	25-09-2057
Pingala	25-09-2057	05-01-2058
Dhanya	05-01-2058	06-06-2058
Bhramari	06-06-2058	26-12-2058

Ulka (शनि) 2058–2064

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Ulka	26-12-2058	26-12-2059
Siddha	26-12-2059	24-02-2061
Sankata	24-02-2061	26-06-2062
Mangala	26-06-2062	26-08-2062
Pingala	26-08-2062	26-12-2062
Dhanya	26-12-2062	26-06-2063
Bhramari	26-06-2063	25-02-2064
Bhadrika	25-02-2064	25-12-2064

Siddha (शुक्र) 2064–2071

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Siddha	25-12-2064	06-05-2066
Sankata	06-05-2066	26-11-2067
Mangala	26-11-2067	05-02-2068
Pingala	05-02-2068	26-06-2068
Dhanya	26-06-2068	25-01-2069
Bhramari	25-01-2069	05-11-2069
Bhadrika	05-11-2069	26-10-2070
Ulka	26-10-2070	26-12-2071

Sankata (राहु) 2071–2079

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Sankata	26-12-2071	05-10-2073
Mangala	05-10-2073	26-12-2073
Pingala	26-12-2073	06-06-2074
Dhanya	06-06-2074	04-02-2075
Bhramari	04-02-2075	26-12-2075
Bhadrika	26-12-2075	04-02-2077
Ulka	04-02-2077	06-06-2078
Siddha	06-06-2078	26-12-2079

Mangala (चंद्र) 2079–2080

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Mangala	26-12-2079	05-01-2080
Pingala	05-01-2080	26-01-2080
Dhanya	26-01-2080	25-02-2080
Bhramari	25-02-2080	06-04-2080
Bhadrika	06-04-2080	26-05-2080
Ulka	26-05-2080	26-07-2080
Siddha	26-07-2080	05-10-2080
Sankata	05-10-2080	25-12-2080

Pingala (सूर्य) 2080–2082

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Pingala	25-12-2080	04-02-2081
Dhanya	04-02-2081	06-04-2081
Bhramari	06-04-2081	26-06-2081
Bhadrika	26-06-2081	05-10-2081
Ulka	05-10-2081	04-02-2082
Siddha	04-02-2082	26-06-2082
Sankata	26-06-2082	06-12-2082
Mangala	06-12-2082	26-12-2082

Dhanya (गुरु) 2082–2085

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Dhanya	26-12-2082	27-03-2083
Bhramari	27-03-2083	27-07-2083
Bhadrika	27-07-2083	26-12-2083
Ulka	26-12-2083	26-06-2084
Siddha	26-06-2084	25-01-2085
Sankata	25-01-2085	25-09-2085
Mangala	25-09-2085	26-10-2085
Pingala	26-10-2085	26-12-2085

Bhramari (मंगल) 2085–2089

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Bhramari	26-12-2085	06-06-2086
Bhadrika	06-06-2086	26-12-2086
Ulka	26-12-2086	26-08-2087
Siddha	26-08-2087	05-06-2088
Sankata	05-06-2088	26-04-2089
Mangala	26-04-2089	06-06-2089
Pingala	06-06-2089	26-08-2089
Dhanya	26-08-2089	26-12-2089

Bhadrika (बुध) 2089–2094

स्वामी	आरम्भ	समाप्ति
Bhadrika	26-12-2089	05-09-2090
Ulka	05-09-2090	07-07-2091
Siddha	07-07-2091	26-06-2092
Sankata	26-06-2092	06-08-2093
Mangala	06-08-2093	25-09-2093
Pingala	25-09-2093	05-01-2094
Dhanya	05-01-2094	06-06-2094
Bhramari	06-06-2094	26-12-2094

22 चर दशा (जैमिनी)

जैमिनी चर दशा (के.एन. राव पद्धति) — राशि दशाएँ

राशि	स्वामी	वर्ष	आरम्भ	समाप्ति
मीन	गुरु	9	15-01-1990	15-01-1999

राशि	स्वामी	वर्ष	आरम्भ	समाप्ति
मेष	मंगल	7	15-01-1999	15-01-2006
वृषभ	शुक्र	8	15-01-2006	15-01-2014
मिथुन	बुध	6	15-01-2014	16-01-2020
कर्क	**चंद्र**	**11**	**16-01-2020**	**15-01-2031**
सिंह	सूर्य	7	15-01-2031	15-01-2038
कन्या	बुध	9	15-01-2038	16-01-2047
तुला	शुक्र	3	16-01-2047	15-01-2050
वृश्चिक	केतु	8	15-01-2050	15-01-2058
धनु	गुरु	6	15-01-2058	16-01-2064
मकर	शनि	1	16-01-2064	15-01-2065
कुंभ	राहु	1	15-01-2065	15-01-2066

मीन (1990–1999)

राशि	आरम्भ	समाप्ति
मेष	15-01-1990	16-10-1990
वृषभ	16-10-1990	17-07-1991
मिथुन	17-07-1991	16-04-1992
कर्क	16-04-1992	15-01-1993
सिंह	15-01-1993	16-10-1993
कन्या	16-10-1993	17-07-1994
तुला	17-07-1994	17-04-1995
वृश्चिक	17-04-1995	15-01-1996
धनु	15-01-1996	15-10-1996
मकर	15-10-1996	16-07-1997
कुंभ	16-07-1997	16-04-1998
मीन	16-04-1998	15-01-1999

मेष (1999–2006)

राशि	आरम्भ	समाप्ति
वृषभ	15-01-1999	16-08-1999
मिथुन	16-08-1999	16-03-2000
कर्क	16-03-2000	15-10-2000
सिंह	15-10-2000	17-05-2001
कन्या	17-05-2001	16-12-2001
तुला	16-12-2001	17-07-2002
वृश्चिक	17-07-2002	15-02-2003
धनु	15-02-2003	16-09-2003
मकर	16-09-2003	16-04-2004
कुंभ	16-04-2004	15-11-2004
मीन	15-11-2004	16-06-2005
मेष	16-06-2005	15-01-2006

वृषभ (2006–2014)

राशि	आरम्भ	समाप्ति
मेष	15-01-2006	16-09-2006
मीन	16-09-2006	17-05-2007
कुंभ	17-05-2007	16-01-2008
मकर	16-01-2008	15-09-2008
धनु	15-09-2008	17-05-2009
वृश्चिक	17-05-2009	15-01-2010
तुला	15-01-2010	16-09-2010
कन्या	16-09-2010	17-05-2011
सिंह	17-05-2011	16-01-2012
कर्क	16-01-2012	15-09-2012
मिथुन	15-09-2012	17-05-2013
वृषभ	17-05-2013	15-01-2014

मिथुन (2014–2020)

राशि	आरम्भ	समाप्ति
वृषभ	15-01-2014	17-07-2014
मेष	17-07-2014	15-01-2015
मीन	15-01-2015	17-07-2015
कुंभ	17-07-2015	16-01-2016
मकर	16-01-2016	16-07-2016
धनु	16-07-2016	15-01-2017
वृश्चिक	15-01-2017	16-07-2017
तुला	16-07-2017	15-01-2018
कन्या	15-01-2018	17-07-2018
सिंह	17-07-2018	15-01-2019
कर्क	15-01-2019	17-07-2019
मिथुन	17-07-2019	16-01-2020

कर्क (2020–2031)

राशि	आरम्भ	समाप्ति
मिथुन	16-01-2020	15-12-2020
वृषभ	15-12-2020	15-11-2021
मेष	15-11-2021	16-10-2022
मीन	16-10-2022	16-09-2023
कुंभ	16-09-2023	16-08-2024
मकर	16-08-2024	17-07-2025
धनु	17-07-2025	16-06-2026
वृश्चिक	**16-06-2026**	**17-05-2027**
तुला	17-05-2027	16-04-2028
कन्या	16-04-2028	17-03-2029
सिंह	17-03-2029	15-02-2030
कर्क	15-02-2030	15-01-2031

सिंह (2031–2038)

राशि	आरम्भ	समाप्ति
कन्या	15-01-2031	17-08-2031
तुला	17-08-2031	17-03-2032
वृश्चिक	17-03-2032	16-10-2032
धनु	16-10-2032	17-05-2033
मकर	17-05-2033	16-12-2033
कुंभ	16-12-2033	17-07-2034
मीन	17-07-2034	15-02-2035
मेष	15-02-2035	16-09-2035
वृषभ	16-09-2035	16-04-2036
मिथुन	16-04-2036	15-11-2036
कर्क	15-11-2036	16-06-2037
सिंह	16-06-2037	15-01-2038

कन्या (2038–2047)

राशि	आरम्भ	समाप्ति
तुला	15-01-2038	16-10-2038
वृश्चिक	16-10-2038	17-07-2039
धनु	17-07-2039	16-04-2040

तुला (2047–2050)

राशि	आरम्भ	समाप्ति
वृश्चिक	16-01-2047	17-04-2047
धनु	17-04-2047	17-07-2047
मकर	17-07-2047	16-10-2047

वृश्चिक (2050–2058)

राशि	आरम्भ	समाप्ति
तुला	15-01-2050	16-09-2050
कन्या	16-09-2050	17-05-2051
सिंह	17-05-2051	16-01-2052

राशि	आरम्भ	समाप्ति
मकर	16-04-2040	15-01-2041
कुंभ	15-01-2041	16-10-2041
मीन	16-10-2041	17-07-2042
मेष	17-07-2042	17-04-2043
वृषभ	17-04-2043	16-01-2044
मिथुन	16-01-2044	16-10-2044
कर्क	16-10-2044	17-07-2045
सिंह	17-07-2045	17-04-2046
कन्या	17-04-2046	16-01-2047

राशि	आरम्भ	समाप्ति
कुंभ	16-10-2047	16-01-2048
मीन	16-01-2048	16-04-2048
मेष	16-04-2048	16-07-2048
वृषभ	16-07-2048	16-10-2048
मिथुन	16-10-2048	15-01-2049
कर्क	15-01-2049	16-04-2049
सिंह	16-04-2049	17-07-2049
कन्या	17-07-2049	16-10-2049
तुला	16-10-2049	15-01-2050

राशि	आरम्भ	समाप्ति
कर्क	16-01-2052	15-09-2052
मिथुन	15-09-2052	17-05-2053
वृषभ	17-05-2053	15-01-2054
मेष	15-01-2054	16-09-2054
मीन	16-09-2054	17-05-2055
कुंभ	17-05-2055	16-01-2056
मकर	16-01-2056	15-09-2056
धनु	15-09-2056	17-05-2057
वृश्चिक	17-05-2057	15-01-2058

धनु (2058–2064)

राशि	आरम्भ	समाप्ति
वृश्चिक	15-01-2058	17-07-2058
तुला	17-07-2058	16-01-2059
कन्या	16-01-2059	17-07-2059
सिंह	17-07-2059	16-01-2060
कर्क	16-01-2060	17-07-2060
मिथुन	17-07-2060	15-01-2061
वृषभ	15-01-2061	17-07-2061
मेष	17-07-2061	15-01-2062
मीन	15-01-2062	17-07-2062
कुंभ	17-07-2062	16-01-2063
मकर	16-01-2063	17-07-2063
धनु	17-07-2063	16-01-2064

मकर (2064–2065)

राशि	आरम्भ	समाप्ति
धनु	16-01-2064	15-02-2064
वृश्चिक	15-02-2064	17-03-2064
तुला	17-03-2064	16-04-2064
कन्या	16-04-2064	17-05-2064
सिंह	17-05-2064	16-06-2064
कर्क	16-06-2064	17-07-2064
मिथुन	17-07-2064	16-08-2064
वृषभ	16-08-2064	15-09-2064
मेष	15-09-2064	16-10-2064
मीन	16-10-2064	15-11-2064
कुंभ	15-11-2064	16-12-2064
मकर	16-12-2064	15-01-2065

कुंभ (2065–2066)

राशि	आरम्भ	समाप्ति
मीन	15-01-2065	15-02-2065
मेष	15-02-2065	17-03-2065
वृषभ	17-03-2065	16-04-2065
मिथुन	16-04-2065	17-05-2065
कर्क	17-05-2065	16-06-2065
सिंह	16-06-2065	17-07-2065
कन्या	17-07-2065	16-08-2065
तुला	16-08-2065	16-09-2065
वृश्चिक	16-09-2065	16-10-2065
धनु	16-10-2065	16-11-2065
मकर	16-11-2065	16-12-2065
कुंभ	16-12-2065	15-01-2066

साढ़े साती व ढैय्या

ढैय्या (अष्टम) (मीन)	02 जून 1995 — 10 अग॰ 1995	
ढैय्या (अष्टम) (मीन)	16 फ़र॰ 1996 — 17 अप्रैल 1998	
साढ़े साती — उदय (कर्क)	06 सित॰ 2004 — 13 जन॰ 2005	
साढ़े साती — उदय (कर्क)	26 मई 2005 — 01 नव॰ 2006	
साढ़े साती — शिखर (सिंह)	01 नव॰ 2006 — 10 जन॰ 2007	
साढ़े साती — उदय (कर्क)	10 जन॰ 2007 — 16 जुल॰ 2007	
साढ़े साती — शिखर (सिंह)	16 जुल॰ 2007 — 09 सित॰ 2009	
साढ़े साती — अस्त (कन्या)	09 सित॰ 2009 — 15 नव॰ 2011	
साढ़े साती — अस्त (कन्या)	16 मई 2012 — 04 अग॰ 2012	
ढैय्या (चतुर्थ) (वृश्चिक)	02 नव॰ 2014 — 26 जन॰ 2017	
ढैय्या (चतुर्थ) (वृश्चिक)	21 जून 2017 — 26 अक्टू॰ 2017	
ढैय्या (अष्टम) (मीन)	29 मार्च 2025 — 03 जून 2027	**वर्तमान**
ढैय्या (अष्टम) (मीन)	20 अक्टू॰ 2027 — 23 फ़र॰ 2028	
साढ़े साती — उदय (कर्क)	13 जुल॰ 2034 — 27 अग॰ 2036	
साढ़े साती — शिखर (सिंह)	27 अग॰ 2036 — 22 अक्टू॰ 2038	

साढ़े साती — अस्त (कन्या)	22 अक्टू॰ 2038 — 05 अप्रैल 2039
साढ़े साती — शिखर (सिंह)	05 अप्रैल 2039 — 13 जुल॰ 2039
साढ़े साती — अस्त (कन्या)	13 जुल॰ 2039 — 28 जन॰ 2041
साढ़े साती — अस्त (कन्या)	06 फ़र॰ 2041 — 26 सित॰ 2041
ढैय्या (चतुर्थ) (वृश्चिक)	11 दिस॰ 2043 — 23 जून 2044
ढैय्या (चतुर्थ) (वृश्चिक)	30 अग॰ 2044 — 07 दिस॰ 2046
ढैय्या (अष्टम) (मीन)	14 मई 2054 — 02 सित॰ 2054
ढैय्या (अष्टम) (मीन)	05 फ़र॰ 2055 — 07 अप्रैल 2057
साढ़े साती — उदय (कर्क)	24 अग॰ 2063 — 06 फ़र॰ 2064
साढ़े साती — उदय (कर्क)	09 मई 2064 — 13 अक्टू॰ 2065
साढ़े साती — शिखर (सिंह)	13 अक्टू॰ 2065 — 03 फ़र॰ 2066
साढ़े साती — उदय (कर्क)	03 फ़र॰ 2066 — 03 जुल॰ 2066
साढ़े साती — शिखर (सिंह)	03 जुल॰ 2066 — 30 अग॰ 2068
साढ़े साती — अस्त (कन्या)	30 अग॰ 2068 — 04 नव॰ 2070
ढैय्या (चतुर्थ) (वृश्चिक)	05 फ़र॰ 2073 — 31 मार्च 2073
ढैय्या (चतुर्थ) (वृश्चिक)	23 अक्टू॰ 2073 — 16 जन॰ 2076
ढैय्या (चतुर्थ) (वृश्चिक)	10 जुल॰ 2076 — 11 अक्टू॰ 2076

24 अष्टकवर्ग

सर्वाष्टकवर्ग

भाव	राशि	कुल
1	मीन	26
2	मेष	31
3	वृषभ	31
4	मिथुन	29
5	कर्क	20
6	सिंह	32
7	कन्या	29
8	तुला	33
9	वृश्चिक	29
10	धनु	26
11	मकर	27
12	कुंभ	24

भिन्नाष्टकवर्ग (राशि अनुसार)

ग्रह	मेष	वृष	मिथु	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि	धनु	मकर	कुंभ	मीन	कुल
सूर्य	3	4	5	4	5	4	5	4	4	4	5	1	48
चंद्र	5	5	4	4	4	4	5	2	4	4	3	5	49
मंगल	2	5	5	1	4	2	4	4	4	2	2	4	39

ग्रह	मेष	वृष	मिथु	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि	धनु	मकर	कुंभ	मीन	कुल
बुध	4	6	5	2	5	6	3	6	5	5	3	4	54
गुरु	6	4	5	3	5	7	3	5	5	4	5	4	56
शुक्र	7	3	2	4	5	4	7	4	2	4	4	6	52
शनि	4	4	3	2	4	2	6	4	2	4	2	2	39
सर्वाष्टकवर्ग	31	31	29	20	32	29	33	29	26	27	24	26	337

25 षड्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
स्थान	118.9	148.0	226.8	190.3	210.9	172.1	171.9
दिक्	50.7	34.3	57.6	35.5	27.3	11.3	22.6
काल	72.2	154.6	86.9	195.7	213.6	98.1	84.9
चेष्टा	0.0	0.0	13.6	50.6	53.0	59.5	2.6
नैसर्गिक	60.0	51.4	17.1	25.7	34.3	42.9	8.6
दृक्	6.9	-12.5	-2.4	6.2	-36.6	6.9	6.6
कुल (विरूपा)	308.7	375.9	399.7	503.9	502.4	390.9	297.3
रूप	5.14	6.27	6.66	8.40	8.37	6.51	4.96
आवश्यक	5.0	6.0	5.0	7.0	6.5	5.5	5.0
अनुपात	1.03	1.05	1.33	1.20	1.29	1.18	0.99
क्रम	6	5	1	3	2	4	7

26 लाल किताब कुंडली

ग्रह	भाव
सूर्य	11
चंद्र	6
मंगल	9
बुध	10
गुरु	4
शुक्र	11
शनि	10
राहु	11
केतु	5

लाल किताब 35 वर्षीय चक्र

स्वामी	वर्ष	आरम्भ	समाप्ति
शनि	6	15-01-1990	15-01-1996
राहु	6	15-01-1996	15-01-2002
केतु	3	15-01-2002	15-01-2005
गुरु	6	15-01-2005	15-01-2011
सूर्य	2	15-01-2011	15-01-2013
चंद्र	1	15-01-2013	15-01-2014
शुक्र	3	15-01-2014	15-01-2017

स्वामी	वर्ष	आरम्भ	समाप्ति
मंगल	6	15-01-2017	15-01-2023
बुध	2	15-01-2023	15-01-2025
शनि	**6**	**15-01-2025**	**15-01-2031**
राहु	6	15-01-2031	15-01-2037
केतु	3	15-01-2037	15-01-2040
गुरु	6	15-01-2040	15-01-2046
सूर्य	2	15-01-2046	15-01-2048
चंद्र	1	15-01-2048	15-01-2049
शुक्र	3	15-01-2049	15-01-2052
मंगल	6	15-01-2052	15-01-2058
बुध	2	15-01-2058	15-01-2060
शनि	6	15-01-2060	15-01-2066
राहु	6	15-01-2066	15-01-2072
केतु	3	15-01-2072	15-01-2075
गुरु	6	15-01-2075	15-01-2081
सूर्य	2	15-01-2081	15-01-2083
चंद्र	1	15-01-2083	15-01-2084
शुक्र	3	15-01-2084	15-01-2087
मंगल	6	15-01-2087	15-01-2093
बुध	2	15-01-2093	15-01-2095



सूर्य

लाल किताब के अनुसार सूर्य ग्यारहवें खाने में प्रभावशाली मित्रों से लाभ और सामाजिक सम्मान मिलता है। उपाय: रविवार को गुड़ और गेहूँ का दान करें।



चंद्र

लाल किताब के अनुसार चंद्र छठे खाने में मन कभी-कभी चिंता करता है; सेवा कार्य से शांति मिलती है। उपाय: घर में चाँदी की कोई वस्तु या साफ़ पानी का पात्र रखें।



मंगल

लाल किताब के अनुसार मंगल नौवें खाने में भाग्य मेहनत से जागता है; बड़े भाई और गुरु का सम्मान करें। उपाय: मंगलवार को हनुमान जी को लाल फूल और मीठा अर्पित करें।



बुध

लाल किताब के अनुसार बुध दसवें खाने में संचार, व्यापार या परामर्श में करियर अच्छा रहता है। उपाय: बहन, बुआ और बेटियों का सम्मान करें, उन्हें उपहार दें।



गुरु

लाल किताब के अनुसार गुरु चौथे खाने में घर में सुख-शांति, अच्छी शिक्षा और संपत्ति के योग बनते हैं। उपाय: पीपल को जल अर्पित करें।



शुक्र

लाल किताब के अनुसार शुक्र ग्यारहवें खाने में मित्रों और सामाजिक संपर्कों से लाभ मिलता है। उपाय: शुक्रवार को सफ़ेद वस्त्र या चीनी का दान करें।

शनि

लाल किताब के अनुसार शनि दसवें खाने में अपने पक्के घर में है; मेहनत से करियर में स्थायी ऊँचाई मिलती है। उपाय: शनिवार को सरसों के तेल का दान करें।

राहु

लाल किताब के अनुसार राहु ग्यारहवें खाने में बड़े नेटवर्क और तकनीक से लाभ मिलता है। उपाय: जौ या सरसों का दान करें।

केतु

लाल किताब के अनुसार केतु पांचवें खाने में अंतर्ज्ञान और आध्यात्मिक अध्ययन में रुचि रहती है। उपाय: कुत्ते को रोटी खिलाएँ।

27 उपाय

आपका लग्न मीन है और लग्नेश गुरु है। यह आपके दसवें भाव (कर्म) का भी स्वामी है। परंपरा में लग्नेश का रत्न पुखराज व्यक्तित्व, स्वास्थ्य-बल और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला माना जाता है; इसे सोने में, तर्जनी उंगली में, गुरुवार को धारण करने की परंपरा है। रत्न किसी योग्य ज्योतिषी से पूरी कुंडली दिखाकर और परीक्षण के बाद ही धारण करें; यह परंपरागत सहायक उपाय है, फल अनेक कारकों पर निर्भर करता है।

आपकी कुंडली में चंद्र को बल देने की आवश्यकता है। सोमवार को शिवजी को जल या दूध अर्पित करें और "ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चंद्रमसे नमः" का जप करें। चावल, दूध, सफ़ेद वस्त्र या चाँदी का दान करें; माता की सेवा, पर्याप्त नींद और ध्यान मन को स्थिर रखते हैं।

आपकी कुंडली में शुक्र को बल देने की आवश्यकता है। शुक्रवार को लक्ष्मी जी की पूजा करें और "ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः" का जप करें। चावल, चीनी, सफ़ेद वस्त्र या इत्र का दान करें; स्वच्छता, कला-संगीत और जीवनसाथी का सम्मान शुक्र को प्रसन्न करते हैं।

आपकी कुंडली में शनि को बल देने की आवश्यकता है। शनिवार को पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएँ और "ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः" का जप करें। काले तिल, सरसों का तेल या काले वस्त्र का दान करें; श्रमिकों, बुज़ुर्गों और ज़रूरतमंदों की सेवा तथा ईमानदार परिश्रम सबसे बड़ा उपाय है।

आपकी कुंडली में राहु के प्रभाव को शांत और संतुलित करने की आवश्यकता है। दुर्गा सप्तशती या दुर्गा चालीसा का पाठ करें और "ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः" का जप करें। ज़रूरतमंदों को कंबल का दान करें; नशे और जल्दबाज़ी के निर्णयों से दूर रहना राहु के प्रभाव को संतुलित करता है।